지맛지 At the time of their death, all buddhas and tathāgatas in the vast ocean of limitless buddhafields in the ten directions will stand in front of them. {ABG}

colloc:

भु 'पतुमाष'गावृद्द'। भु 'पतुमाष'गावृद्द'। भु ' पतुमाष'गावृद्द'। ° high hon. to dwell ▷ ॐग्द्र' पाव व्यव्या उद्द' सिवुद्ध्य गाविमाय केव 'सं प्रकेष' ऑप्ट्स' प्रस्थित पावृद्धित गाविमाय केव 'सं के 'सुव 'सु' भु 'प्रस्था पतुमाषा गावृद्धः भू पाया प्रस्था सिक्षा सिक्षा का the occasion of His Holiness, the Glorious Great All-seeing [One] dwelling in the presence of the Regent-Paṇḍita Taktra Rinpoche.

पदीयोबा अध्यः क्ष्मायः शुः पदीयोबा ॰ to remain in पद्धयः प्रयः पदीयाबा चह्यः प्रयावा श पह्यः प्रयः पदीयाबा ॰ to firmly establish पह्यः प्रयः पदीयाबा चह्यः प्रयः पदीयाबा पह्यः प्रयः पदीयाबा चह्यः प्रयः पदीयाबा

स्वापन्यायां वियः प्रमुग्नायां वियः प्रमुग्नायां वियापायां प्रमुग्नायां वियः प्रमुग्नायां प्रमुग्

प्त्रा III नत्रा नत्रा

to depart。{KD} gaccha → ロペス・さい 道力・ 「到れの美力ではない」 … Although [I] wish to say what will please you—"Depart!" … {KD}

प्रविस् । प्रविस् प्रविस् प्रविस्

to strip off; to remove; to strain; to filter

प्रविद्या 1 IV प्रविद्या प्रविद्या

प्रवित्या 2 v प्रवेद्या प्रवेद्या प्रवेद्या

to raise; to erect; to establish; to build AUX.: অনুস্থান্য আইস্ব ° caus. to establish; to

प्रबेद्रा v मलेद्रा मलेद्रा मलेद्रा

1. (hon.) to assert; to wish; to desire • {MV} $iccha; \{PU\} i siā >$ ক্রু বি অন্ম ক্রুম প্রথম ठन्-न्य अर्देवः नेषः क्रेन्-पः नेन्-न्-प्तेन्। The cause is asserted by all the buddhas to be just the generation of the clairvoyances. {ALP} • म्बिम्यायात्र्यं स्वर्भन् किम् स्वर्भ अह्न में मिला वि. बरा मार्चे ने कार पहुंचे . लुरा अहूचे. ञ्चीर्पर प्रविद्या It is asserted that a mental perception apprehending a form is produced only at the end of the last moment of a sense perception apprehending a form. {JAK} . र्मेरस.पंग्रेज.जय.चर्नर.तपुर.पूर्र.पूर्टर. र्यामनेबर्द्याम् अस्ति । यूर्यराज्या अप्टेष'र्देव'ग्री'अर्देर'पतेप्रीर'धिरा [This is] because [they] assert that the first two wheels of doctrine as described in the Sūtra Unraveling of the Thought are sutras of interpretable meaning, and the final wheel as [comprised of] sūtras of definitive meaning. {Gön} • र्गे क्रॅर क्रेंब पर र्ग मु पतिर् [This] is as-